Total No. of Questions - 3] [Total Pages : 4

(2062)

9718

M.A. Examination

HINDI

(छायावादी काव्य)

Paper–XI

(Semester–III)

Time : Three Hours] [Max. Marks : Regular : 80 / Private : 100

परीक्षार्थी अपने उत्तरों को दी गयी उत्तर-पुस्तिका (40 पृष्ठ) तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त पृष्ठ जारी नहीं किया जाएगा।

नोट : निम्नलिखित प्रश्नों के निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।

(क) ओ जीवन की मरु मरीचिका, कायरता के अलस विषाद;
अरे, पुरातन अमृत! अगतिमय मोहमुग्धजर्जर अवसाद।
मौन! नाश! विध्वंस! अँधेरा! शून्य बना जो प्रकट अभाव;
वही सत्य है, अरी अमरते! तुझको यहाँ कहाँ अब ठाँव।

अथवा

दुःख की पिछली रजनी बीच विकसता सुख का नवल प्रभात,
एक परदा यह झीना नील, छिपाये है जिसमें सुख गात।
जिसे तुम समझे हो अभिशाप जगत की ज्वालाओं का मूल,
ईश का वह रहस्य वरदान कभी मत इसको जाओ भूल।

(ख) बैठे मारुति देखते राम-चरणारविन्द-
युग 'अस्ति-नास्ति' के एक रूप-गुण गण अनिंद्य
साधना-मध्य भी साम्य, बाम-कर दक्षिण-पद
दक्षिण-कर-तल पर वाम चरण; कपिवर गद्‌गद्
पा सत्य, सच्चिदानंद रूप, विश्राम धाम,
जपते सभक्ति अजपा विभक्त हो राम-नाम।

अथवा

"जब पिता करेंगे मार्ग पार
यह, अक्षम अति, तब मैं सक्षम,
तारूँगी कर गह दुस्तर तम?"
कहता तेरा प्रयाण सविनय,-
कोई न अन्य था भावोदय।

(ग) अचिरता देख जगत की आप
शून्य भरता समीर निःश्वास,
डालता पातों पर चुपचाप
ओस के आँसू नीलाकाश;
सिसक उठता समुद्र का मन,
सिहर उठते उडगन!

अथवा

चिर अविचल पर तारक अमंद!

जानता नहीं वह छंद बंध!

वह रे अनंत का मुक्त मौन, अपने असंग सुख में विलीन,

स्थित निज स्वरूप में चिर नवीन!

निष्काम शिखा-सा वह निरूपम, भेदता जगत जीवन का तम,

वह शुद्ध, प्रबुद्ध, शुक्र; वह सम! 3×8=24

(3×10=30)

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) 'कामायनी' के श्रद्धा सर्ग के वैशिष्ट्य का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

(ख) 'प्रसाद' प्रेम और सौंदर्य के कवि हैं, स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'राम की शक्ति पूजा' में युग-संघर्ष के साथ कवि का आत्म-संघर्ष भी गुँथा हुआ है, विश्लेषित कीजिए।

(घ) शोकगीत के रूप में 'सरोज-स्मृति' की समीक्षा कीजिए।

(ङ) सुमित्रानंदन पंत प्रकृति के सुकोमल रूप के ही नहीं, भैरव रूप के भी कुशल चितेरे हैं। सोदाहरण प्रकाश डालिए।

3×17=51

(3×20=60)

3. निम्नलिखित अतिलघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) 'कामायनी' महाकाव्य में कुल कितने सर्ग हैं?

(ख) 'कामायनी' महाकाव्य की नायिका का नामोल्लेख कीजिए।

(ग) सुमित्रानंदन पंत के दो काव्य-संग्रहों के नाम लिखिए।

(घ) निराला का जन्म कहाँ हुआ था?

(ङ) 'लोकयतन' महाकाव्य के कवि का नामोल्लेख कीजिए।

5×1=5

(5×2=10)